अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्व–ज्ञान (वर्ष–2018)

तृतीयवर्षः द्वितीय प्रश्न पत्र

नव–पदार्थ पुण्य–पाप –50

समयः3 घंटा

दिनांक–30.08.2018

पूर्णांक–100

प्र01 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें– 16

(पुण्य – किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर दें।)

(क) पराघात शुभ नाम कर्म किसे कहते हैं?

(ख) द्रव्य पुण्य की परिभाषा लिखें।

(ग) तीर्थकर गोत्र बंध हेतु में क्षण लव संवेग का क्या तात्पर्य है?

(घ) भावी कल्याणकारी कर्म के दस स्थानों में योगवाहिता का क्या अर्थ है?

(ड) काम भोग का क्या अर्थ है?

(च) शुभ विहायोगति नाम से आप क्या समझते है?

(छ) दस अंग वाली भोग सामग्री कौन सी है?

(पाप–कोई तीन प्रश्न करें)

(ज) किस अशुभ नाम कर्म के उदय से जीव का वचन अप्रामाणिक एवं अप्रिय होता है?

(झ) सर्व ज्ञानावरणीय कर्म की परिभाषा करें।

(ञ) ठाणं सूत्र में वेदना के दो प्रकार में आभ्युपगमिकी का तात्पर्य क्या है?

(ट) संघात नाम कर्म की परिभाषा करें।

प्र02 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें–

(क) पुण्य– सिद्व करें कि पुण्य कर्म पुदगल के विशिष्ट ~~परिणाम~~ प्राप्त स्कन्ध हैं? 10

अथवा

निदान रहित किया का क्या फल विपाक है?

(ख) पाप– सिद्ध करें कि पाप स्वयंकृत है? अथवा मोहनीय कर्म के स्वभाव व उसके भेदों का उल्लेख करें।

प्र03 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें–

(क) पुण्य– निदान कर्म का क्या फल होता है? अथवा आर्चाय भिक्षु ने पुण्य की वाच्छा करने को पाप का बंध क्यों कहा है? 24

(ख) पाप– अंतराय कर्म पर विस्तार से टिप्पणी लिखें– अथवा पुण्य और पाप के विकल्प क्या–क्या हैं?

अवबोध– निर्जरा से देवगति–30

प्र04 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक–दो वाक्य में दें– 6

(क) अनुभागबंध किसे कहते हैं?

(ख) वेदनीय समुद्घात क्या है?

(ग) समुद्र में एक साथ कितने जीव सिद्ध हो सकते हैं।

Scanned by CamScanner

(घ) बंध से क्या नये कर्मो का भी बंध होता है?
(ङ) कार्मण शरीर और बंध एक हैं या दो ?
(च) क्या केवली समुद्घात में मोक्ष हो सकता है?
(छ) क्या अकर्म भूमि से सिद्ध हो सकते है?
(ज) प्रत्येक बुद्ध सिद्ध किसे कहते है।

प्र05 किन्हीं छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 12
(क) किस संहनन वाला कौन से देवलोक में उत्पन्न होता है?
(ख) क्या मिथ्यात्वी के सकाम निर्जरा हो सकती हैं?
(ग) निर्जरा से प्राप्त बतीस आत्मगुणों (क्षयोपशम) में कितने उजला लेखे निरवद्य हैं, और कितने करणी लेखे?
(घ) निर्जरा और पुण्य की किया एक है या दो?
(ङ) सिद्ध क्या करते हैं?
(च) क्या बंध आत्मा की स्वतंत्र क्रिया है?
(छ) क्या सभी केवलियों के केवली समुद्रघात होता है?
(ज) सिद्ध शिला पर जब सिद्ध नहीं रहते, फिर इसे सिद्ध शिला क्यों कहते हैं?

प्र06 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित दें– 12
(क) निर्जरा व मोक्ष में क्या अंतर है? व निर्जरा तो आठों कर्मो की होती है, फिर वर्णन केवल चार घातिक कर्मो की निर्जरा से प्राप्त गुणों का ही क्यों आता है?
(ख) केवली समुद्घात का क्रम क्या है?
(ग) एक समय में एक साथ कितने सिद्ध हो सकते है? क्या महाविदेह क्षेत्र में सिद्ध होने में अर का प्रभाव रहता है?
(घ) क्या क्षायक सम्यक्त्वी देवता के तीर्थकर गोत्र का बंध हो सकता है, तथा क्या देव योनि में नींद व असात वेदनीय का भी विपाकोदय होता है?

गीतिका (दस दान, अठारह पाप)–20

प्र07 कोई चार पद्य अर्थ सहित लिखें– 16
(क) इम सांभल.....भाष ए।
(ख) इणरो .....घालियो ए।
(ग) ग्रह करड़ा .....भणी ए।
(घ) वले बरस.....सोय ए।
(ङ) दाता ने .....उतारसी ए।
(च) आय मिले..... कही ए।

प्र08 किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें। 4
(क) दान देते समय कौन सी तीन चीजें शुद्ध होने से बड़ा लाभ मिलता है?
(ख) व्रत, अव्रत का पृथककरण किन–किन आगमों के आधार पर किया गया है?
(ग) गर्व दान किसे कहते है तथा यह दान क्यों दिया जाता है?
(घ) कारूण्य दान से आप क्या समझते है?
(ङ) भगवान की आज्ञा व आज्ञा के बाहर कौन–कौन से दान हैं?
(च) भगवान महावीर के मुख्य श्रावक कितने थे? किन्हीं चार के नाम बताऐं।

Scanned by CamScanner